



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

खबरों का संग्रह

दिनांक ३.५.२१ पृष्ठ संख्या ..... ३ कॉलम ..... ७४

### हकूमि कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से की मुलाकात

- कहा, कृषि व सहायक गतिविधियों ने कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम दोल

हिसार, २ मई (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मिडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

वे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षण पूछा। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अपर्जाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कई मेहनत का ही नरीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पડ़े। कुलपति प्रोफेसर



फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कम्बोज।

### हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जावजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आलून किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हर संभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निवार्ध गति से जारी रहें। इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

बी.आर. कम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हर संभव सहायता की जाए।

K

T



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब कैफ़्ली  
दिनांक २५.२.२०२१ पृष्ठ संख्या.....५ कॉलम.....३-६

### ‘एच.ए.यू. में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान’

हिसार, १ मई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज किया गया।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए २ दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था जिसके तहत यह सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया ताकि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके।



विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज करते कर्मचारी। हिदायतों का पालन किया जाएगा।

जात रहे कि इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था जिसमें कैपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से आगामी ३ मई तक लगाए गए लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय परिसर में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जाएगा। लॉकडाउन के बाद भी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की हिदायतों अनुसार ही कार्यालय में आने की अनुमति दी जाएगी और सभी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनरेप्टरी.....

दिनांक ३.५.२०२१...पृष्ठ संख्या.....।.....कॉलम.....।.....

### कृषि गतिविधियों में श्रमिक निभाते हैं अहम भूमिका : प्रो. कांबोज

हिसार। कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कही। कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों से जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षण जाना। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनतकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें। व्यूरा



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....भैनी कुमार.....

दिनांक ..३.५.२०२१. पृष्ठ संख्या..... ३ ..... कॉलम..... ७-८.....

### कृषि व सहायक गतिविधियों में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका

जगरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

ये विचार उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षण पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। बी.आर. काम्बोज ने कहा मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्ताओं की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े। हर सुविधा मुहैया करवाएं अंधिकारी इस अवसर पर फार्म



कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज। ● विज्ञापन निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें।

इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रज्ञात्मक संकेतन

दिनांक ३....५....२०२१ पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।.....५.....

# ‘कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रो. कांबोज’ अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षण

हिसार, 2 मई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मॉडियोव आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षण पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सममान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अपजाइ करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने



फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज।

कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य लोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए

द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का येट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सम्मान न करना पड़े। साथ ही कृषि व सहायक गतिविधियों में शशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक ज्ञानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्ताओं की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्ताओं की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता

के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े।

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए ज़रूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें। इसके अलावा कार्यस्थल पर गांव व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम      दिनांक      पृष्ठ संख्या      कॉलम  
 पंजाब कैलारी ५६८८१ ३०५.२०२१ — —

पंजाब कैलारी

7/12



### कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : काम्बोज

हिसार, राज पटेल (पंजाब कैलारी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय दिमार के कृषिकृति प्रोफेसर औ आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फलांगों वाले विलाई में लोकर करते हैं तक और उसे नियातने के बाद मालियों व आमदान तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये निभार इसीलिए अंतरराष्ट्रीय मबद्दुर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म किंवितालय के अनुसंधान सेक्टर में कृषि गतिविधियों के लिए कृषि श्रमिकों में उनका कृषिकृति प्रोफेसर के उपायित रूप से किया गया। उनकी कहा कि प्रशिक्षण एक मठ को मबद्दुरों के सम्बन्ध, उनकी गतिता और उनके हक के सम्बन्ध में इस दिन को मनाते जाता है। ऐसे में हमें मेहनकरण व



कामकाजी लोगों को ही मना अक्षयांत जाने हुए उन्हें कहां देखे यादियाँ। उन्होंने कहा कि उन्हें काहे से महान बनता है, उसके द्वाये किया गया कोई भी कार्य लोटा या बढ़ा नहीं होता। उमसिलए आपनी आजैनिका जलने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस श्रेष्ठ

में किये जाने वाले काहे भी लोट नहीं होते। उनके द्वारा कोई जाने वाली काही मेहनत का ही नहीं है कि वे किसीतों के साथ मिलकर देश की जनत का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए, हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यशैल पर ज़रूरी सुविधाएँ मौजूद करें। नाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। माथ ही कृषि व उससे जुड़े महायोगी लब्धियाँ व मशीहों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तार पूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि किसी अनहोनी ये दब्दों के माध्यम से लोकर कृषिकृति प्रोफेसर और आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मबद्दुरों, कामगारों और मेहनतकर्ताओं की अहम भूमिका होती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
१६१२-२०२१।	२५.२०२१	—	—

### कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर काम्बोज



चाउलालू हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपती प्रोफेसर जी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उत्तर जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक आब्द जूमका अब फरते हैं। कृषि में भारतीय कृषि विद्या से लेकर कटाव तक और उसे नियन्त्रण के बाट, महादेवों व आमनन तक पहुँचने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे विवर उन्होंने अलारो-एंट्री बजटूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के पार्म निदेशालय के अनुसंधान सेंटर में कृषि शैक्षिकीयों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलतामुद्रण के

उपरान्त व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक ईडी को भव्यताएँ के समान, उनको एक कहीं मेहनत का ही नीतीजा है कि वे कि त और उसके हक के समर्थन में इस दिन माने के साथ विद्यकर देखों की जगत का को मनाव जाता है। ऐसे में हमें बैठनकाल य कामकाजी हमें बैठनकाल अपनायें लोगों को ही सहायता देते हैं। इसलिए हमें भी उन्हें अधिकारों का मान-करते हूँ एवं उन्हें बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि पूछु कुशलकोऽग इशान कर्मी से महन बनाना

अंतर्राष्ट्रीय नजदूर एवं भवन में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उन्हें अधिकारों का मान-करते हूँ एवं उन्हें बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि पूछु कुशलकोऽग इशान कर्मी से महन बनाना

य प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि विद्यमान अन्योनी से बचा जा सके। कृषिपति प्रोफेसर जी.आर. काम्बोज ने कहा कि विद्यमान भी देश, समाज, संस्कृता और उद्योग में भजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्ताओं की अब जूमिका होती है। सौभूति समय में कृषिको महापार्व ने मजबूरी, कामगारों और मेहनतकर्ताओं को अलौकिक पर संचार खड़ा कर दिया है, ऐसे बैठना मानवता के नाते भौतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरस्तरा सहायता जी जाए, ताकि उन्हें भी अपना परिवर्त लाने में विद्यमान प्रकार की कठिनाइयों से ढे-जार न होना पड़े।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

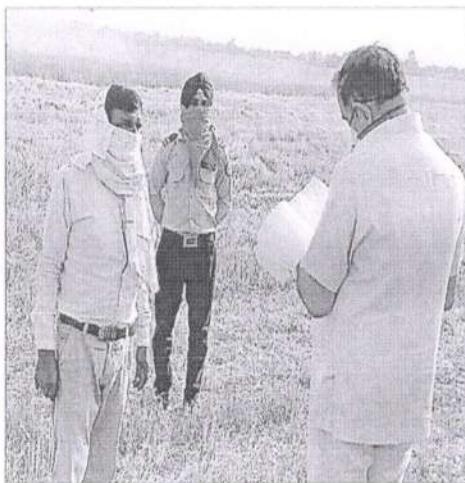
समूचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पान्च बजा	२५.२०२१	—	—

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्ष्मी

## कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रो. काम्होज

पाप बड़ी खबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर शे. आर. काम्होज ने काषा कि कृषि व उससे जुड़े सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों को बिजल से लेकर कटाइ तक और उसे निकालने के बाद भौंडों व आमचन तक पहुँचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान सेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कृषलक्ष्मी पुरुष के उत्तराधिकारी विषय किए। उन्होंने कहा कि प्रातिवर्ष एक बड़ी ओज़ान का मजदूरी का सम्पादन। उन्होंने एकता और उनके हक के सम्बन्ध में इस दिन की मार्गदर्शन जाता है। ऐसे में इस महानकाश व कामकाजी लोगों को हीमल अफज़ल करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि



इसन कर्मों में महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कांड़े भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए आजनी आर्थिकवाच सत्ताने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस शेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उन्हें द्वारा की जाने वाली कृषि मेहनत का ही नदीजा है कि वे किसीनों के साथ मिलकर देश की जनता का एक भाने में अपना बोलबान देते हैं। इसलिए उन्हें अधिकारी वा मान-समान करते हुए कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अपनी गतिविधियों से आत्मान किया कि वे अपने अपनी-प्रथा कार्यत श्रमिकों व कामगार मजदूरों परेशानियों का सम्पादन न करते रहें। साथ ही वे लिए बहरी हस्तभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकाश की परेशानी न हो और अपनीनों के साथ काम करने में वहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनेहानी से बचा जा सके। कुरुपति प्रो. शे.आर.काम्होज ने कहा कि किसी भी देश, सम्बन्ध, संस्था और उद्योग में मजदूरों का सम्पादन और मेहनतकर्मों की अपय भूमिका होती है। मौजूदा समय में



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
रुचि अ. २०२१

दिनांक  
२५.५.२०२१

पृष्ठ संख्या  
—

कॉलम  
—

शनिवार ● ०२.०५.२०२१  
www.hrbreakingnews.com

हिसार

## कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचआर ब्रॉडकास्ट

हिसार। बीपी चाल विंग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट के कल्पनीय प्रोफेसर जी आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की विज्ञान से लेकर कृषि तक और उस विकास के बाद इन्हीं ये आपको लक धूखाने में डाकते हैं।

वे विवर उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर विषय के अवधार पर विश्वविद्यालय के पार्श्वे 'प्रश्नालय' के अवृत्तान्त क्षेत्र में कृषि श्रमिकोंसे के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनकी कृतियोंमें सुनने के उत्तरात्मकता किए। उन्होंने कहा कि, परिवर्ष एक मई लो परदूरी के सम्बन्ध, उनको एकता और उनके हाथ के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। यहाँ में हमें महानकाश व कालवर्ष लंगी का लोकसंग्रह अपनाकर करने लाए उन्हें खबर देने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका कमाते से साधारण बनाता है, इसके द्वारा किये गए कोई भी कार्य हाया तथा अच्छा रहता होता। इसलिए आपनी



कर्म निदेशालय के अनुसंदान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

आर्जीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस बंद्र में किये जाने वाले कार्य भी उनके नामी होते। उनके द्वारा की जान वाली कही योग्यता का ही नामी है कि वे विस्तार के रासायनिक देश की जनता का एट भरने में आपने योग्यतान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का

प्रश्नालय करते हुए कार्यसाधारण पर प्रश्नालय की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनदोनी से बच जा सके।

उनके द्वारा की जान वाली कृतियों की अद्य भूमिका होती है। वे पहले उन्हें विद्यापुर्वक जानकारी व

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षण

इस आसार पर ज्ञान विदेशालय के अनुसंदान क्षेत्र में जल रो कृषि कार्यों का व्यवस्था लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारीसे से प्रश्नालय किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालय श्रमिकों व कार्यालय मजदूरों के लिए जलसही इस्तेवाल सुविधाएं प्रदान करें ताकि उनके किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनदोनी से बचा जा सके। यहाँ ही कृषि श्रमिकोंसे भी निवाप लिया जाता है जो लाली रंग करके अलग अलग कार्यसाधारण पर साथ व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी यारायाक द्वारा सेनेटराजनेता व गांव कीसे दिग्न-निर्देशी का पालन किया जाता रहता है ताकि इस महामारी से बचाया हो सके।

मजदूरी, कामगारी और मेहनतकर्ता की आर्जीविका पर संकट छढ़ा कर दिया है, ये से महान मानवता के नाम वैश्विक कर्तव्य बनता है कि इनकी रासायनिक समायता को जान लाकि इन्हें भी आपने परिवार पालन में किये गए एक जीव की कठिनाईयों से दो-चार न होना पड़े।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्बाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	२५.५.२०२१	—	—

2

### कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हेलो हिसार न्यूज़

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मिठाई व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए।



उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक्क के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी स्तोमों को होमाना अपनाऊं करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि

इसान कर्मी से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए, कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं सुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में पश्चीनों के साथ काम

**अंतरराष्ट्रीय मजदूर  
दिवस पर कृषि  
श्रमिकों से मिलकर  
पूछा कुशलक्षेम**

करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्शों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्शों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

टीरपणा दुड़

### लोक संपर्क कार्यालय

२.५.२०२१

— — —

हिसार, सोमवार, ३ मई २०२१

3

# कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षण

दुड़ न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों के जुड़ कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षण पूछने के उपरांत व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हाँसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले

फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।



### हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आङ्गन किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियों भी विवादित गति से जारी रहें। इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मारक जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

साथ ही कृषि व सहायक गतिविधियों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकर्शों की अहम भूमिका होती है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	२.५.२०२१	—	—

## कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल: प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज़: हिसार, 2 मई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मर्डियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षण पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को ही सल्ला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसान कर्मों में महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा को जाने



वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी मुख्याएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

माथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मरीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और

मेहनतकरों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकरों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े।

**हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी:** इम अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्वाचित गति से जारी रहें। इसके अलावा कार्यस्थल पर गज्ज व केंद्री सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लोक संपर्क कार्यालय

दिनांक .३.५.२०२१. पृष्ठ संख्या.....२.....कॉलम.....।-५.....

# होनहार • एचएयू और जीडी गोयनका छात्राओं की पढ़ाई का खर्च करता है वहन, छात्राएं बोलीं- सपना पूरा हुआ प्रतिभा के बल पर बेटियां पहुंच रहीं विदेश, एचएयू की दो छात्राएं जापान और जर्मनी से पढ़ाई कर रही परवीन

**सिटी रिपोर्टर** • बेटियां अपनी प्रतिभा और स्कूल, विवि के सहयोग व मार्गदर्शन के कारण विदेशों तक का सफर तय कर रहीं हैं। एचएयू की दो छात्रा कल्पना यादव और परनील और जीडी

**परवीन:** एक करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप में स्टाइफंड, ट्यूशन फीस, हेल्थ इंश्योरेंस भी मिलना शामिल है

परवीन सामान्य परिवार से है। वह हिसार के मॉडल टाउन में परिवार के साथ रहती है। परवीन के पिता रोहताश की खबर चूरी की फैक्ट्री है। परवीन जीडी गोयनका हिसार की छात्रा रही है।

परवीन ने बताया कि उसका सपना पहले से ही विदेशों में पढ़ाई कर

परिजनों का नाम रोशन करने का था।

जर्मनी में पढ़ाई कर रही परवीन ने बताया कि अपनी पढ़ाई के लिए विदेश जाना उसका सपना था। जिसे परिवारिक

गोयनका की छात्रा परवीन प्रतिभा के बल पर जापान और जर्मनी में स्नातक से लेकर परास्नातक और आईबी का कोर्स कर रही हैं। खास बात यह है कि एचएयू की दोनों छात्राओं का खर्च

विवि कर रहा है। इसी तरह परवीन एक करोड़ की स्कॉलरशिप पर आईबी का कोर्स कर रही है। संवाददाता महबूब अली ने विदेशी तौर तरीकों से पढ़ाई करनी वाली छात्राओं से बातचीत की।

**कल्पना यादव:** शिक्षा ग्रहण के बाद भारत में भी छात्रों को करेंगी अवेयर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्व विद्यालय की छात्रा कल्पना यादव चरखी दादरी के रामनगर गांव की रहने वाली है। उसका चयन स्कूल डेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत टोक्यो प्रैटीकल्चर विवि जापान में हुआ है। छात्रा को कृषि अनुसंधान और शिक्षा में सहयोग के लिए एचयू और टोक्यो कृषि विवि के बीच समझौता ज्ञापन के आधार पर चुना गया। हर साल छात्रा की पढ़ाई पर डेंट लाख रुपये खर्च किए जाते हैं। छात्रा का कहना है कि एचएयू ने ही उसके सामने को साकार करने का काम किया है। विदेश से पढ़ाई ग्रहण करने के बाद, वह भारतीय को भी विदेशी तौर तरीकों से होने वाली पढ़ाई के प्रति जागरूक करेंगी। एमएससी के लिए छात्रा का चयन किया गया।

**परनील सहारण:** मध्यम परिवार से होने के बावजूद किया सपनों को साकार

हिसार के सीसवाला गांव की रहने वाली परनील सहारण का चयन भी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत बीएससी कृषि ४ वर्षीय कार्यक्रम के तहत किया गया। परनील जापान में पढ़ाई कर रही है। परनील के पिता महबीर सिंह सहारण किसान हैं तथा खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। अब विदेश में पढ़ाई का प्रति साल का करीब डेंट लाख का खर्च विवि ही उठा रहा है। परनील का कहना है कि विदेश में पढ़ाई करने के साथ-साथ वह एचएयू के छात्रों को भी आनलाइन माध्यम से विदेशी पढ़ाई के तौर तरीकों के बारे में बताती रहती है। उसका सपना हरियाणा का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने का है।

**प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मिलता है एडमिशन :** विदेशों में आईबी या फिर अन्य कोर्स करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करती होती है। इसके बाद ही जिस स्कूल या विवि का विदेश के विवि से समझौता होता है, उसे वहां पर एडमिशन मिलता है। पढ़ाई का पूरा खर्च विवि ही ग्रहण करता है।

प्रयास रहता है कि विवि के छात्रों को विदेशों में भी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पढ़ाई कराई जाए। विवि छात्रों को न केवल यूनिवर्सिटी में उच्च स्तर का शैक्षणिक माहौल दे रहा है बल्कि छात्रों को अलग अलग प्रोग्राम के तहत विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा ग्रहण करने का अवसर प्रदान कर रहा है। भविष्य में भी अधिक छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा और अनुसंधान के लिए विभिन्न देशों में भेजा जाएगा ताकि विवि के छात्र व शिक्षक अंतर्राष्ट्रीय प्रति स्पर्धा के युग में अपने कौशल को निखार सकें। - डा. बीआर काम्बोज, कुलपति, एचएयू।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सुरेन्द्र सोढ़ी.....

दिनांक 25.2.2021 पृष्ठ संख्या.....3 कॉलम.....12.....

### हकूमि में चलाया सैनेटाइजेशन अभियान



विश्वविद्यालय परिसर को सैनेटाइज करते कर्मचारी।

हिसार, (सुरेन्द्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लगातार दो दिन तक सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनेटाइज किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कालेजों में अवानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था, जिसके तहत यह सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया, ताकि कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सके। ज्ञात रहे इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें कैपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से आगामी 3 मई तक लगाए गए लॉकडाउन के दौरान भी विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन अभियान चलाया जाएगा। विश्वविद्यालय में केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के तहत लॉकडाउन के बाद भी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की हिदायतों अनुसार ही कार्यालय में आने की अनुमति दी जाएगी और सभी हिदायतों का पालन किया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दिनिक जागरूक.....

दिनांक ११.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....७८.....

### एचएयू में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान



एचएयू परिसर को सैनिटाइज करते कर्मचारी। • पीआरओ

जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में लगातार दो दिन तक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कालेजों में अचानक बढ़ कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था। इसके तहत यह सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया, ताकि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके। ज्ञात रहे इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें कैपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....जनक उत्तम.....

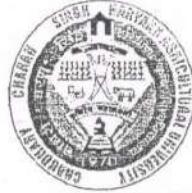
दिनांक २५.१२.२०२१....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....१२.....

### एचएयू में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान

हिसार। हरियाणा  
कृषि विश्वविद्यालय  
(एचएयू) में लगातार  
दो दिन तक  
सैनिटाइजेशन  
अभियान चलाया  
गया। इसके तहत पूरे  
विश्वविद्यालय परिसर  
को सैनिटाइज किया  
गया। विश्वविद्यालय



प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कालेजों में अचानक बढ़े कोरोना  
संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का  
फैसला लिया गया था। वहीं एचएयू के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि  
विज्ञान केंद्रों पर मेंगा वैक्सीनेशन शिविर की शुरुआत हो चुकी है। इसी के तहत  
प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला (यमुनानगर) से इस अभियान को शुरू किया  
गया है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. गमनवास ने बताया कि पहले चरण में दामला  
कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया था जिसमें  
कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि  
सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इचाजों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए  
गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते हुए  
उन्हें जागरूक करने को कहा गया है ताकि वैक्सीन के संबंध में किसानों के मन में  
किसी प्रकार की कोई भ्राति न रहे। ब्यूरो



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रैरिक जावड़ा.....

दिनांक .2.5.2021....पृष्ठ संख्या.....५.....कॉलम.....७.८.....

एचएयू के बाहरी केंद्रों पर वैक्सीनेशन शुरू, किसानों ने लगवाया टीका  
जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेंगा वैक्सीनेशन कैम्प की शुरुआत हो चुकी है। इसी के तहत प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला(यमुनानगर) से इस अभियान को शुरू किया गया है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि पहले चरण में दामल कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में प्रदेश में विश्वविद्यालय के



वैक्सीन लगवाता किसान। • पीआरओ  
अन्य बाहरी केंद्रों पर भी अब लगातार इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते हुए उन्हें जागरूक करने को कहा गया है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... लोक संपर्क मासिक .....

दिनांक १५.५.२०२१....पृष्ठ संख्या..... २.....कॉलम..... ५.....

### एचएयू में अभियान चलाकर पूरे परिसर को किया सेनेटाइज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में  
दो दिन तक सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके  
तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज किया गया।  
विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और  
कालेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को  
देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने  
का फैसला लिया गया था, जिसके तहत यह सेनेटाइजेशन  
अभियान चलाया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक  
कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें कैप्पस अस्पताल  
के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और  
सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रैनिक संग्रह.....

दिनांक २५.२.२१....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....७.८.....

### हक्किये के बाहरी केंद्रों पर वैक्सीनेशन कैप शुरू

हिसार, (सुरेन्द्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प की शुरूआत हो चुकी है। इसी के तहत प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला(यमुननगर) से इस अभियान को शुरू किया गया



है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि पहले चरण में दामला कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय संदेव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में ग्रादेश में विश्वविद्यालय के अन्य बाहरी केंद्रों पर भी अब लगातार इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इचाजों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गावों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते हुए उन्हें जागरूक करने को कहा गया है। इसके अलावा संबंधित जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी सहायता के लिए भी संपर्क किया जा रहा है। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पूरी तरह से पालना की जाएगी। विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक सात वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं और छह टैस्टिंग कैम्प भी लगाए गए हैं।